नेताओं के आश्वासनों का ब्योरा रखेगी कन्फेडरेशन

◆ चुनाव जीतने वाले नेता से लेंगे हिसाब

फरीदाबाद, उमुसं : लोकसभा चुनाव में मतदान के बाद बेशक नेता अपनी जीत के आंकड़े एकत्र कर रहे हों मगर कन्फेडरेशन ऑफ रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन इन नेताओं के आश्वासन और वादों का लेखा-जोखा तैयार कर रही है। सभी सेक्टरों की रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों की कन्फेडरेशन के महासचिव ए.एस.गुलाटी का कहना है कि आमतौर पर चुनाव में नेता जो वादे करते हैं, वे पूरे नहीं होते। समय के साथ-साथ जनता भी नेताओं के वादों को भूल जाती है। ऐसे में कन्फेडरेशन चुनाव के दौरान नेताओं द्वारा जारी घोषणा पत्र और स्थानीय ज्वलंत मुद्दों पर नेताओं के बयान और समस्याओं के समाधान के लिए दिए गए आश्वासनों का लेखा-जोखा तैयार करेगी।

गुलाटी के अनुसार शहर में पेयजल किल्लत, बिजली कटौती, टूटी सड़कें, जाम सीवर आदि बड़ी समस्या हैं। वहीं, मेट्रो रेल, बदरपुर फ्लाईओवर भी मुद्दा है। चुनाव प्रचार के दौरान जिन प्रमुख प्रत्याशियों ने जो वादे किए हैं उनका संग्रह कन्फेडरेशन करेगी ताकि आने वाले दिनों में जीतने वाले उम्मीदवार से इस बारे में हिसाब मांगा जा सके। उन्होंने कहा कि कन्फेडरेशन इसके लिए पत्रकारों का भी सहयोग लेगी। साथ ही विभिन्न सेक्टरों की रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान व महासचिवों के माध्यम से नेताओं के आश्वासन संग्रहीत किए जाएंगे। गुलाटी ने ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं से अपील की है कि वे भी अपने क्षेत्र में नेताओं के वादे और आश्वासनों का प्रारूप तैयार करें ताकि जब नेता उनके बीच आएं तो उनसे समस्याओं के समाधान के बारे में पूछा जा सके।

2/9/08

समस्या को लेकर आरडब्ल्यूए की बैठक

फरीदाबाद। सेक्टरों की समस्या को लेकर कान्फेडेशन ऑफ आरडब्ल्यूए की सेक्टर 15 स्थित कम्यूनिटी सेंटर में मासिक बैठक सम्पन्न की गई। अध्यक्षता जनरल सेकेटरी एएस गुलाटी ने की। बैठक में सेक्टरों के प्रमुख मुद्दों पर विचार किया गया और उनका निवारण करने के लिए एक खाका बनाकर नगर निगम में देने की बात की गई।

जनरल सेक्रेटरी गुलाटी ने बताया कि सेक्टरों की समस्या को नगर निगम में जोरदार तरीके से रखने के लिए ताकि समस्या का निपटारा जल्द हो सके, इसके लिए महीने के आखिर में समस्याएं पर विचार करने व खाका नगर निगम में पेश करने के लिए सेक्टरों के आरडब्ल्यूए की कनफेडरेशन बैठक करती है। जिसमे सेक्टरों के प्रमुख मुद्दे पर विचार किया जाता है। (ह.सं.)